ओ३म् अगस्त 2014 मूल्य 15/- प्रति

महाशय चुन्नीलाल धर्मार्थ ट्रस्ट

सन्देश

महाशय चुन्नीलाल जी
1887-1980

पूज्य माता चन्नन देवी
1897-1979

राष्ट्रभक्ति और जनसेवा
से कीर्ति अमर हो जाती है।
ऐसी दिव्य विभूति को
हर पीढ़ी शीश झुकाती है।।

– कर्मयोगी महाशय धर्मपाल जी

सम्पादकीय

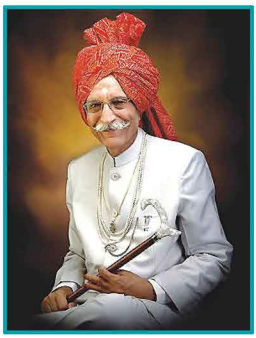

नश्वर काया को बनाएं अमर कीर्ति का जरिया

पुण्यात्मा हो या पापी, विद्वान हो या गंवार, धनवान हो या निर्धन-वक्त पूरा होते ही सबको इस दुनिया को अलविदा कह देना पड़ता है। यही कुदरत का कानून है, जो सब पर समान रूप से लागू होता है। नश्वर काया चिता में भस्म हो जाती है और यहां सिर्फ रह जाता है यश-अपयश, कीर्ति-कलंक। इसलिए इस नश्वर काया को लेकर, इस क्षणभंगुर शरीर को लेकर घमंड में चूर रहना किसी भी तरह से मुनासिब नहीं कहा जा सकता। जीवन पानी के बुलबुले की तरह है, जिसका फूटना तय है। अतः बड़ी होशियारी से कदम बढ़ाना चाहिए और अपने शरीर का, अपनी शारीरिक-मानसिक क्षमता का इस्तेमाल उन कर्मों के लिए करना चाहिए, जिनकी बदौलत हमारी कीर्ति अमर हो सके।

श्रीराम, श्रीकृष्ण, महात्मा बुद्ध, महावीर, गुरु नानक देव, महर्षि दयानंद, महात्मा गांधी, भगत सिंह आदि महापुरुष आज हमारे बीच नहीं हैं, मगर उनकी मौजूदगी का अहसास हम सभी को होता है। आखिर क्यों? इसलिए कि उन्होंने अपनी नश्वर काया का इस्तेमाल इस संसार को खुशहाल बनाने के लिए किया और उनकी कीर्ति अमर हो गयी। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा है कि जो परहित के लिए समर्पित रहता है, जो सबकी खुशहाली के लिए संघर्षरत रहता है, उसे यह दुनिया हमेशा सलाम करती है। अतः हमें भी उनके बताए हुए मार्ग का ही अनुसरण करना चाहिए, उसी राह पर आगे बढ़ना चाहिए।

जीने के लिए रुपया-पैसा, सुख-सुविधाएं जरूरी हैं, मगर इन्हें ही जीवन का मकसद बना लेना मेरे ख्याल में नासमझी ही कही जाएगी। इस बात का हमेशा ध्यान रखें कि कोई भी आदमी इसलिए महान नहीं होता कि उसने दुनिया से क्या लिया, महान इसलिए होता है कि उसने दुनिया को क्या दिया। देना, लुटाना, न्योछावर कर देना-यही इस दुनिया में अमर बने रहने का फार्मूला है। अतः धनदान, ज्ञानदान, श्रमदान-जो कुछ भी बन सके समाज के हित में उत्साहपूर्वक करें। ऐसा करने से लोक-परलोक दोनों ही संवर जाएंगे।

आज लोगों के बीच हमारी जो पहचान है, वह एक उद्योगपति से भी बढ़कर मेरी उस भावना की बदौलत है, जो मुझे हमेशा समाज को खुशहाल बनाने की दिशा में प्रयासरत रहने को प्रेरित करती रहती है। मैं शुरू से ही इस बात का समर्थक रहा हूं कि जिसकी कीर्ति है वही जीवित है और इसीलिए मन से, तन से, धन से यथासंभव सबको सुख पहुंचाने की चेष्टा करता हूं। भावी पीढ़ी से भी मैं यही आग्रह करूंगा कि इसी प्रकार आप भी अपनी उपलब्धियों से समाज को फायदा पहुंचाएं, ताकि आपकी भी कीर्ति पताका सदैव लहराती रहे।

शुभाकांक्षी

महाशय धर्मपाल

भजन संध्या

श्री श्याम मंदिर ट्रस्ट, सागरपुर

दिनांक 19 अप्रैल, 2014 को श्री श्याम मंदिर ट्रस्ट, सागरपुर (दिल्ली) की ओर से भजन संध्या का भव्य आयोजन हुआ। इस पावन अवसर पर सुहृदों के विशेष आग्रह पर कर्मयोगी महाशय धर्मपाल जी ने स्वयं उपस्थित होकर भजन-कीर्तन का आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया और सबको आत्मोद्धार की प्रेरणा दी

श्री विनोद अग्रवाल, श्री सुनील जिंदल और अन्य सुहृदों की आत्मीयता से प्रफुल्लित महाशय धर्मपाल जी

श्री रमेश गोयल, श्री सतीश अग्रवाल, श्री अमीचंद जी, श्री तरुण अग्रवाल और अन्य सुहृदों का उत्साहवर्धन करते महाशय धर्मपाल जी

भजन संध्या कार्यक्रम में अपनी गरिमामयी मौजूदगी दर्ज कराते महाशय धर्मपाल जी, साथ में उनकी पुत्रवधू श्रीमती ज्योति गुलाटी, श्रीमती गीता जी, श्री अमीचंद जी, श्री तरुण अग्रवाल और अन्य

श्री रामदेव जी अरोड़ा, श्री सतबीर गुप्ता, श्री अमीचंद जी, श्री तरुण अग्रवाल, श्री रमेश गोयल और अन्य सुहृदों से घिरे महाशय धर्मपाल जी

श्री रमेश गोयल, श्री महेन्द्र दाहिया और अन्य सुहृदों के साथ चिर-परिचित प्रसन्न मुद्रा में महाशय धर्मपाल जी

शहीद-ए-आजम भगत सिंह प्रतिमा अनावरण समारोह, भिवानी

दिनांक 30 मई, 2014 को हरियाणा के भिवानी स्थित जिला जेल परिसर में शहीद-ए-आजम भगत सिंह की प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर विशेष समारोह व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। एमडीएच के चेयरमैन महाशय धर्मपाल जी ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर इस समारोह में सक्रिय भागीदारी निभायी और सबको राष्ट्रहित में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया

महाशय धर्मपाल जी का हार्दिक अभिवादन करते भिवानी जिला जेल प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारीगण

वरिष्ठ अधिकारीगण, श्री एस.आर. सचदेवा, श्री अनिल अरोड़ा और अन्य सुहृदों के साथ समारोह स्थल की ओर जाते हुए महाशय धर्मपाल जी

शहीद-ए-आजम भगत सिंह की प्रतिमा का अनावरण करते महाशय धर्मपाल जी, साथ में अन्य गणमान्य व्यक्ति

शहीद-ए-आजम भगत सिंह की प्रतिमा के साथ खड़े महाशय जी और अन्य गणमान्य व्यक्ति

सुहृदों का प्यार ही सबसे बड़ा उपहार... श्री जगजीत सिंह (आई.जी.) से यादगार भेंट स्वीकार करते महाशय धर्मपाल जी

श्री जगजीत सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ मनोहारी तस्वीर लिए महाशय धर्मपाल जी

सबको राष्ट्रहित के लिए सदैव तैयार रहने की प्रेरणा देते महाशय धर्मपाल जी

समारोह में उपस्थित व्यक्तियों का उत्साहवर्धन करते महाशय जी, साथ में जेल के वरिष्ठ अधिकारी और श्री एस.आर. सचदेवा

महाशय जी को विशेष स्मृति चिह्न भेंट करते श्री संजीव कुमार, साथ में श्री जगजीत सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्ति

जेल के सीनियर सुपरिटेंडेंट श्री ए.आर. बिश्नोई, श्री जगजीत सिंह और अन्य व्यक्तियों के साथ समारोह में भाग लेते महाशय जी

श्री जगजीत सिंह, श्री ए.आर. बिश्नोई और श्री संजीव कुमार के साथ भिवानी जिला जेल परिसर में महाशय धर्मपाल जी

चिर-परिचित प्रसन्न मुद्रा में महाशय धर्मपाल जी, साथ में श्री जगजीत सिंह, श्री ए.आर. बिश्नोई, श्री एस.आर. सचदेवा और अन्य गणमान्य व्यक्ति

समारोह में उपस्थित व्यक्तियों के बीच भगत सिंह के अनुपम व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते महाशय जी

जेल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उल्लासित मुद्रा में महाशय धर्मपाल जी

मुख्य मंच पर आसीन मुख्य अतिथि महाशय धर्मपाल जी, साथ में श्री विनय आर्य और श्री रवि सचदेवा

उमंग में थिरककर सुहृदों का उत्साहवर्धन करते महाशय धर्मपाल जी, साथ में श्री विनय आर्य

विशेष पूजा-अर्चना में श्रद्धापूर्वक भाग लेते महाशय जी, साथ में अन्य सुहृद्

प्रतिभावान कलाकार को इनाम देकर प्रोत्साहित करते महाशय जी, साथ में अन्य गणमान्य व्यक्ति

लजीज व्यंजनों का रसास्वादन करते महाशय जी, साथ बैठे श्री संजीव कुमार

सुहृद् के साथ प्रफुल्लित मुद्रा में खड़े महाशय धर्मपाल जी

समापन एवं दीक्षांत समारोह
आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश

श्री प्रेम अरोड़ा, श्री विनय आर्य और श्री नीरज आर्य के साथ आयोजन स्थल पर खड़े महाशय धर्मपाल जी

दिनांक 1 जून, 2014 को आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश के तत्वावधान में सेक्टर-8, रोहिणी, दिल्ली स्थित डी.ए.वी. स्कूल में विशाल आर्य वीर चरित्र निर्माण व आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर के समापन एवं दीक्षांत समारोह का आयोजन हुआ। इस अवसर पर महर्षि दयानंद जी के सच्चे अनुयायी महाशय धर्मपाल जी ने अपनी गरिमामयी मौजूदगी दर्ज करायी और सबका उत्साहवर्धन किया

श्री विनय आर्य, श्री प्रेम अरोड़ा और अन्य सुहृदों के साथ विशेष समारोह में भाग लेते महाशय धर्मपाल जी

महाशय धर्मपाल जी के साथ खड़े श्री राजसिंह आर्य और अन्य सुहृद्

ध्वजारोहण करते महाशय जी, साथ में श्री विनय आर्य, श्री प्रेम अरोड़ा और अन्य गणमान्य व्यक्ति

मुख्य मंच पर विराजमान महाशय धर्मपाल जी, साथ में श्री राजसिंह आर्य, श्री प्रेम अरोड़ा और अन्य सुहृद्

विशेष समारोह में अपने उद्गार व्यक्त करते महाशय धर्मपाल जी, साथ में श्री विनय आर्य, श्री राजसिंह आर्य और अन्य सुहृद्

आर्य वीर दल के युवा को सम्मानित करते महाशय जी, साथ में श्री राजसिंह आर्य और अन्य सुहृद्

श्री धर्मपाल आर्य और उनकी धर्मपत्नी की आत्मीयता से प्रफुल्लित महाशय धर्मपाल जी

श्री प्रेम अरोड़ा, श्री धर्मपाल आर्य, श्री राजसिंह आर्य और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ विशेष समारोह में भाग लेते महाशय जी

हम होंगे कामयाब... अपने अद्भुत उत्साह का परिचय देते प्रतिभावान बालक

अपने अद्भुत कला-कौशल का प्रदर्शन करते युवा और इसे अपने कैमरे में कैद करते महाशय जी